भोपाल में नवविकसित रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के लोकार्पण समारोह में

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का संबोधन .. ..दिनांक -15-11-21

मध्य प्रदेश के राज्यपाल श्रीमान मंगू भाई पटेल, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्रीमान शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी, यहाँ उपस्थित अन्य सभी महानुभाव, भाई और बहनों | आज का दिन भोपाल के लिए, मध्य प्रदेश के लिए और पूरे देश के लिए गौरवपूर्ण इतिहास और वैभवशाली भविष्य के संगम का दिन है। भारतीय रेल का भविष्य कितना आधुनिक है कितना उज्जवल है इसका प्रतिबिंब भोपाल के इस भव्य रेलवे स्टेशन में जो भी आएगा, उसको दिखाई देगा। भोपाल के इस ऐतिहासिक रेलवे स्टेशन का सिर्फ कायाकल्प ही नहीं हुआ है बल्कि गिन्नौरगढ़ की रानी कमलापति जी का इस से नाम जोड़ने से इसका महत्व और भी बढ़ गया है। गोंडवाना के गौरव से आज भारतीय रेल का गौरव भी जुड़ गया है। यह भी ऐसा समय में हुआ है जब आज देश जनजातीय गौरव दिवस मना रहा है। इसके लिए मध्य प्रदेश के सभी बहनों-भाइयों को विशेष रुप से जनजातीय समाज को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। साथियों आज यहां इस कार्यक्रम में भोपाल-रानी कमलापति बरखेड़ा लाइन का तिहरीकरण, गुना-ग्वालियर खंड का बिजलीकरण,फतेहाबाद,चंद्रावतीगंज,उज्जैन और मथेला | निमारखेड़ी खंड का बिजलीकरण और उसे ब्रॉडगेज में बदलने के प्रोजेक्ट का भी लोकार्पण हुआ है। इन सभी सुविधाओं के बनने से मध्य प्रदेश के सबसे व्यस्त रेल रूट में से एक पर दबाव कम होगा और पर्यटन, तीर्थाटन के अहम स्थानों की कनेक्टिविटी अधिक सशक्त होगी। विशेष रूप से महाकाल की नगरी उज्जैन और देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर के बीच मेमू सेवा शुरू होने से रोजाना सफर करने वाले हजारों यात्रियों को सीधा लाभ होगा। अब इंदौर वाले महाकाल के दर्शन कर समय पर लौट भी पाएंगे और जो कर्मचारी, व्यवसायी, श्रमिक साथी रोज अप-डाउन यात्रा करते हैं उनको भी बहुत बड़ी सुविधा होगी।

बहनों और भाइयों भारत कैसे बदल रहा है, सपने कैसे सच हो सकते हैं, यह देखना हो तो आज इसका एक उत्तम उदाहरण भारतीय रेलवे भी बन रहा है। 6 साल पहले तक जिसका भी पाला भारतीय रेल से पड़ता था तो वो भारतीय रेल को ही कोसते हुए, हमेशा कुछ न कुछ बोलते हुए ज्यादा नजर आता था। स्टेशन पर भीड़-भाड़, गंदगी, ट्रेन के इंतजार में घंटों की टेंशन, स्टेशन पर बैठने की, खाने-पीने की असुविधा, ट्रेन के भीतर भी गंदगी, सुरक्षा की भी चिंता। आपने देखा होगा लोग बैग के

साथ चैन लेकर चलते थे, ताला लगाते थे। दुर्घटना का डर, यह सब कुछ, यानी रेलवे बोलते ही सब ऐसा ही ध्यान में आता था, मन में यही एक छवि उभरकर आती थी | स्थिति यहाँ तक पहुंच गई थी कि लोगों ने स्थितियों के बदलने की उम्मीद तक छोड़ दी थी | लोगों ने मान लिया कि चलो भाई ऐसे ही गुजारा करो, ये सब ऐसे ही चलने वाला है। लेकिन जब देश ईमानदारी से संकल्पों की सिद्धि के लिए जुड़ता है तो सुधार आता ही आता है, परिवर्तन होता ही होता है। यह हम बीते सालों से निरंतर देख रहे हैं।साथियों देश के सामान्य मानव को आधुनिक अनुभव देने का जो बीड़ा हमने उठाया है, इसके लिए जो परिश्रम दिन-रात किया जा रहा है, उसके परिणाम अब दिखाई देने लगे हैं। कुछ महीने पहले गुजरात में गांधीनगर रेलवे स्टेशन का नया अवतार देश और दुनिया ने देखा था। आज मध्यप्रदेश में भोपाल में रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के रूप में देश का पहला आईएसओ सर्टिफाइड, देश का पहला पीपीपी मॉडल आधारित रेलवे स्टेशन देश को समर्पित किया गया है। जो सुविधाएं कभी एयरपोर्ट में मिला करती थी वह आज रेलवे स्टेशन में मिल रही है। आधुनिक टॉयलेट, बेहतरीन खाना-पीना, शॉपिंग काम्प्लेक्स, होटल, म्यूजियम, गेमिंग जोन, हॉस्पिटल, मॉल, स्मार्ट पार्किंग ऐसी हर सुविधा यहां विकसित की जा रही है। इसमें भारतीय रेलवे का पहला सेंट्रल एयर कॉनकोर्स बनाया गया है। इस कॉनकोर्स में सैकड़ों यात्री एक साथ बैठकर ट्रेन का इंतजार कर सकते हैं। खास बात यह भी है कि सारे प्लेटफार्म इस कॉन से जुड़े हुए हैं इसलिए यात्रियों को अनावश्यक भाग-दौड़ करने की जरूरत नहीं होगी। भाइयों-बहनों ऐसे ही इन्फ्रास्ट्रक्चर की, ऐसे ही सुविधाओं की, देश के सामान्य टैक्सपेयर को, देश के मध्यम वर्ग को हमेशा उम्मीद रही है, यही टैक्सपेयर का असली सम्मान है। वीआईपी कल्चर से EPI याने एवरी पर्सन इज इंपोर्टेंट। EPI की तरफ ट्रांसफॉरमेशन का यही मॉडल है। रेलवे स्टेशंस के पूरे इकोसिस्टम को इसी प्रकार ट्रांसफर करने के लिए आज देश के पौने 200 से अधिक रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प किया जा रहा है। साथियों आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ आज भारत आने वाले वर्षों के लिए खुद को तैयार कर रहा है। बड़े लक्ष्यों पर काम कर रहा है। आज का भारत आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण के लिए रिकॉर्ड इन्वेस्टमेंट तो कर ही रहा है। यह भी सुनिश्चित कर रहा है कि प्रोजेक्ट्स में देरी न हो, किसी तरह की बाधा न आए।

हाल में शुरू हुआ पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान इसी संकल्प की सिद्धि में देश की मदद करेगा। इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी सरकार की नीतियां हो, बड़े प्रोजेक्ट्स की प्लानिंग हो, उन पर काम किया

जाना हो, गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान सभी का मार्गदर्शन करेगा । जब हम मास्टर प्लान को आधार बनाकर चलेंगे तो देश के संसाधनों का भी सही उपयोग होगा । पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान के तहत सरकार अलग-अलग मंत्रालयों को एक प्लेटफार्म पर ला रही है। अलग-अलग प्रोजेक्ट की जानकारी हर डिपार्टमेंट को समय पर मिले इसके लिए भी व्यवस्था बनाई गई है। साथियों रेलवे स्टेशंस के री-डेवलपमेंट का यह अभियान भी सिर्फ रेलवे स्टेशन की सुविधाओं तक सीमित नहीं है बल्कि इसका इस तरह का निर्माण गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान का भी हिस्सा है । यह आजादी के अमृत काल में ऐसे इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण का अभियान है जो देश के विकास को अभूतपूर्व गति दे सकें । यह गति शक्ति मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी की है, एक हॉलिस्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर की है । अब जैसे रानी कमलापति रेलवे स्टेशन को अप्रोच रोड से जोड़ा गया है । यहां बड़ी संख्या में पार्किंग की सुविधा बनाई गई है । भोपाल मेट्रो से भी इसकी कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जा रही है । बस मोड के साथ रेलवे स्टेशन के एकीकरण के लिए, स्टेशन के दोनों तरफ से बीआरटीएस लेन की सुविधा है । यानी ट्रैवल हो या लॉजिस्टिक सब कुछ सरल हो, सहज हो, सीमलेस हो, यह प्रयास किया जा रहा है । यह सामान्य भारतीय के लिए, सामान्य हिंदुस्तानी के लिए ईज आफ लिविंग सुनिश्चित करने वाला हैं । मुझे खुशी है कि रेलवे के अनेकों प्रोजेक्ट्स को इसी तरह गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान से जोड़ा जा रहा है ।

साथियों एक जमाना था जब रेलवे के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट को भी ड्राइंग बोर्ड से जमीन पर उतरने में ही सालों-साल लग जाते थे । मैं हर महीने प्रगति कार्यक्रम में रिव्यूव करता हूं कौन सा प्रोजेक्ट कहां पहुंचा । आप हैरान हो जाएंगे मेरे सामने रेलवे के कुछ प्रोजेक्ट ऐसे आए जो 35-40 साल पहले घोषित हो चुके थे लेकिन कागज पर लकीर भी नहीं बनाई गई । 40 साल हो गए अब खैर यह काम भी मुझे करना पड़ रहा है मैं करूंगा आपको भरोसा देता हूं । लेकिन आज भारतीय रेलवे में भी जितनी अधीरता नए प्रोजेक्ट्स की प्लानिंग की है उतनी ही गंभीरता उनको समय पर पूरा करने की भी है । ईस्टर्न और वेस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेड कॉरिडोर इसका एक बहुत सटीक उदाहरण है । देश में ट्रांसपोर्टेशन की तस्वीर बदलने की क्षमता रखने वाले इन इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पर अनेक वर्ष तक तेज गति से काम नहीं हो पाया था । लेकिन बीते 6-7 सालों के दौरान 1100 किलोमीटर से अधिक रूट को पूरा किया जा चुका है और बाकी के हिस्से पर तेज गति से काम चल रहा है साथियों काम की यह गति आज दूसरे प्रोजेक्ट्स में भी दिखती है । बीते 7 सालों में हर वर्ष औसतन ढाई हजार किलोमीटर ट्रैक कमीशन किया गया है । जबकि उससे पहले के सालों में यह 1500 किलोमीटर के आसपास ही होता था । पहले की

तुलना में इन वर्षों में रेलवे ट्रैक के बिजलीकरण की रफ्तार 5 गुना से अधिक हुई है। मध्यप्रदेश में भी रेलवे के 35 प्रोजेक्ट्स में से लगभग सवा 1100 किलोमीटर के प्रोजेक्ट्स कमीशन हो चुके हैं। साथियों देश के मजबूत होते रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर का लाभ किसानों को होता है, विद्यार्थियों को होता है, व्यापारियों, उद्यमियों को होता है। आज हम देखते हैं कि किस तरह किसान रेल के माध्यम से देश के कोने-कोने के दूर-दराज तक अपनी उपज भेज पा रहे हैं। रेलवे द्वारा इन किसानों को माल ढुलाई में बहुत छूट भी दी जा रही है। इसका बहुत लाभ देश के छोटे किसानों को भी हो रहा है। उन्हें नए बाजार मिले हैं, उन्हें नया सामर्थ्य मिला है।

साथियों भारतीय सिर्फ दूरियों को कनेक्ट करने का माध्यम नहीं है बल्कि यह देश की संस्कृति, देश के पर्यटन, देश के तीर्थाटन को कनेक्ट करने का भी अहम माध्यम बन रही है। आजादी के इतने दशकों बाद पहली बार भारतीय रेल के इस सामर्थ्य को इतने बड़े स्तर पर एक्सप्लोर किया जा रहा है। पहले रेलवे को टूरिज्म के लिए अगर उपयोग किया भी गया तो उसको एक प्रीमियम क्लब तक ही सीमित रखा गया। पहली बार सामान्य मानव को उचित राशि पर पर्यटन और तीर्थाटन का दिव्य अनुभव दिया जा रहा है। रामायण सर्किट ट्रेन ऐसा ही एक अभिनव प्रयास है। कुछ दिन पहले पहली रामायण एक्सप्रेस ट्रेन देशभर में रामायण काल के दर्जनों स्थानों का दर्शन करने के लिए निकल चुकी है। इस ट्रेन की यात्रा को लेकर बहुत अधिक उत्साह देशवासियों में देखने को मिल रहा है। आने वाले दिनों में देश के अलग-अलग हिस्सों से कुछ और रामायण एक्सप्रेस ट्रेन अभी चलने वाली है। यही नहीं विस्टाडोम ट्रेनों का अनुभव भी लोगों को बहुत पसंद आ रहा है। भारतीय रेलवे के इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑपरेशन और अप्रोच में हर प्रकार के व्यापक रिफॉर्म किए जा रहे हैं। ब्रॉड गेज नेटवर्क से, मानव रहित फाटकों को हटाने से गति भी सुधरी है और दुर्घटनाओं में भी बहुत कमी आई है। आज सेमी हाई स्पीड ट्रेने रेल नेटवर्क का हिस्सा बनती जा रही है। आजादी के अमृत महोत्सव में आने वाले 2 सालों में 75 नई वंदे भारत ट्रेने देशभर में चलाने के लिए रेलवे प्रयासरत है। यानी भारतीय रेल अपनी पुरानी विरासत को आधुनिकता के रंग में ढाल रही है। साथियों बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर भारत की आकांक्षा ही नहीं बल्कि आवश्यकता है। इसी सोच के साथ हमारी सरकार रेलवे समेत इंफ्रास्ट्रक्चर के हजारों प्रोजेक्ट्स पर अभूतपूर्व निवेश कर रही है। मुझे विश्वास है भारत का आधुनिक होता इंफ्रास्ट्रक्चर आत्मनिर्भरता के संकल्पों को और तेजी से देश के सामान्य व्यक्ति तक पहुंचाएगा।

एक बार फिर आप सभी को आधुनिक रेलवे स्टेशन की ओर और साथ-साथ अनेक नई रेल सेवाओं की बहुत-बहुत बधाई देता हूं। रेलवे की पूरी टीम को भी इस परिवर्तन को स्वीकार करने के लिए, इस परिवर्तन को साकार करने के लिए, रेलवे की जो पूरी टीम नए उत्साह के साथ जुटी है मैं उनका भी अभिनंदन करता हूं उनको भी बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं । आप सबको अनेक-अनेक शुभकामनाएं .... बहुत-बहुत धन्यवाद .... ।